कान्हा बिन चैन पड़े कैसे

कान्हा बिन चैन पड़े कैसे,
दिन कट जाए रात कटे कैसे॥
जिस जिसने तेरा नाम लिया,
आकर के कन्हैया तूने थाम लिया।

द्रौपदी ने तुम्हें पुकारा है,
तूने आकर दिया सहारा है
तेरे बिन लाज बचे कैसे,
तेरे बिन चीर बढ़े कैसे,
दिन कट जाए रात कटे कैसे,
कान्हा बिन चैन पड़े कैसे,
दिन कट जाए रात कटे कैसे॥

मीरा ने तुम्हें पुकारा है,
तूने आकर दिया सहारा है,
तेरे बिन जहर पचे कैसे,
दिन कट जाए रात कटे कैसे,
कान्हा बिन चैन पड़े कैसे,
दिन कट जाए रात कटे कैसे॥

नरसी ने तुम्हें पुकारा है,
तूने आकर दिया सहारा है,
तेरे बिन भात भरे कैसे,
दिन कट जाए रात कटे कैसे,
कान्हा बिन चैन पड़े कैसे,
दिन कट जाए रात कटे कैसे॥

प्रहलाद ने तुम्हें पुकारा है,
तूने आकर दिया सहारा है,
तेरे बिन प्राण बचे कैसे,
दिन कट जाए रात कटे कैसे,
कान्हा बिन चैन पड़े कैसे,
दिन कट जाए रात कटे कैसे॥

हरिश्चंद्र ने तुम्हें पुकारा है,
तूने आकर दिया सहारा है,
तेरे बिन घड़ा उचे कैसे,
दिन कट जाए रात कटे कैसे,
कान्हा बिन चैन पड़े कैसे,
दिन कट जाए रात कटे कैसे॥

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/25262/title/kanha-bin-chain-pade-kaise

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |